>

Title: Need to make travel arrangements for applicants from Uttar Pradesh whose names have not been selected by the Haj Committee for pilgrimage to Saudi Arabia.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): इस वर्ष कुरा के द्वारा हाजी चुने गए आजमीन हज ने आजमीनों की यात्रा रद्द कर दी है। जब हाजियों का पूर्व से यात्रा फार्म और यात्रा खर्च जमा है तो यात्रा रद्द करने का कोई औचित्य नहीं है। हज कमेटी एक लाख रूपया सफर पर खर्च के लिए लेती है। जबकि प्राइवेट टूर ऑपरेटर लगभग एक लाख पैंसठ हजार लेते हैं। हज पर जाने वाले गरीब लोगों के लिए यह ठीक नहीं है। हज कमेटी का रवैया आजमीन हज के ज़ज़बात को मजरूह करते हैं और इस अहम फरीजा के साथ मजाक है। हज के संबंध में रोज नई-नई मुश्किलें पैदा हो रही हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश में हज यात्रियों के लिए हज हाउस का निर्माण करवाया गया था। लेकिन अब हज हाउस को रख-रखाव करना कठिन हो रहा है। हज हाउस में पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है। अब हाजियों को रो-बरोज नई-नई मुसीबतों और कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि उत्तर प्रदेश के हज यात्री, जिनकी यात्रा हेतु पैसे एवं पासपोर्ट जमा हो चुके थे और जिनका चुनाव हज कमेटी के द्वारा निरस्त हुए हैं, उनकी हज यात्रा के समुचित प्रबंध कराये।